

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 2 PART I—Section 2

प्राधिकार से श्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY



₹f. 22]

नई विस्ली, मंगलबार, आस्त 4, 1987/भावग 13, 1909

No. 22] NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 4, 1987/SRAVANA 13, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय

(पसन पक्ष)

नई दिल्ली, 4 अगस्त, 1987

अधिसूचना

सं० ए० 12022/34/86 पी ई आई.—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 की उपधारा (1) के क्लाज (ख) द्वारा उन्हें प्रवत्त मक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री आर०जे० एम० पिल्लइ, आई०ए०एस० (बी०एच० 73) को, उनक द्वारा कार्यभार संभालने की तारीख से 31 मई, 1992 तक या अगला आदेश होने तक दोनों में से जो भी पहले हो, तब तक के लिए तृतीकोरन पोर्ट ट्रस्ट का अध्यक्ष नियुक्त करती हैं।

योगेन्द्र नारायण, संयुक्त समिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

New Delhi, the 4th August, 1987

NOTIFICATION

No. A 12022|34|86 PEI.—In exercise of the powers conferred on them by clause (b) of sub-section (1) of Section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) the Central Government appoint Shri R. J. M. Pillai, IAS (BH: 73) as Chairman, Tuticorin Port Trust with effect from the date he takes over charge of the post upto 31st May, 1992 or until further orders whichever is earlier.

YOGENDRA NARAIN, Jt. Secy.